फा.सं.ई-11017/12/2021 रा.भा.

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

(राजभाषा अनुभाग)

****

कौशल भवन, द्वितीय तल

नई दिल्ली-110023

दिनांक: 02.08.2023

प्रेस विज्ञप्ति

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की पहली बैठक

दिनांक 01.08.2023 को सायंकाल 6 बजे कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की पहली बैठक संसदीय सौंध के समिति कक्ष-सी में मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्र शेखर की भी उपस्थिति रही। बैठक में संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित माननीय सांसद श्री रमेश बिधूड़ी, श्री आदित्य प्रसाद व श्री सिंकदर कुमार ने भी भाग लिया। बैठक में समिति के सदस्य के रूप में 8 गैर-सरकारी सदस्यों ने भी भाग लिया। इस बैठक में मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी के अलावा मंत्रालय के विभिन्न अधीनस्थ विभागों/कार्यालयों के विभाग प्रमुखों ने भी भाग लिया।

बैठक में उपस्थित समिति के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र प्रधान, उपाध्यक्ष श्री राजीव चंद्र शेखर तथा गैर-सरकारी सदस्यों का स्वागत करते हुए मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने मंत्रालय द्वारा हिंदी के कार्यान्वयन का व्योरा प्रस्तुत करते हुए समिति को बताया कि मंत्रालय अपने व्यावसायिक कार्यों की तरह राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में भी कटिबद्ध है तथा इसे सुनिश्चित करने के लिए भरपूर प्रयास कर रहा है। आज की यह बैठक भी इसी दिशा में उठाया गया एक कदम है।

समिति के उपाध्यक्ष एवं मंत्रालय के राज्यमंत्री श्री राजीव चंद्र शेखर ने अपने संबोधन में कहा कि भाषा को जीवित रखने के लिए भावी पीढ़ी को सौंपना समय की मांग है। यह तभी संभव है, जब हम उसे तकनीक व प्रोद्योगिकी के साथ कदमताल करने में सक्षम बनाएं।

बैठक में उपस्थित माननीय सांसदों व गैर-सरकारी सदस्यों द्वारा मंत्रालय में हिंदी में कामकाज बढ़ाने के संबंध में विभिन्न सुझाव दिए गए।

बैठक में अपने अध्यक्षीय भाषण में माननीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल करने का आश्वासन दिया। माननीय मंत्री जी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी स्वयं देश हो या विदेश हर जगह हिंदी बोलते हैं। हिंदी भाषा भारत में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। भारत सरकार हिंदी के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। आज हमारे युवाओं को स्किल के साथ-साथ भाषा और टेक्नोलॉजी को सीखने पर जोर देना होगा। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने हाल ही में कौशल विकास की 23 ट्रेड्स में 12 भाषाओं में 100 किताबें लॉन्च की हैं ।